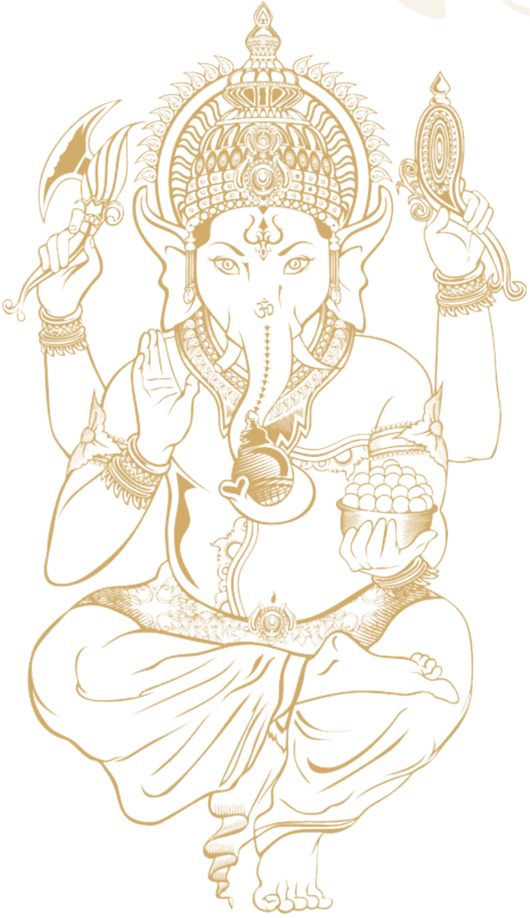

Nilam

02 May 1998

07:00 PM

Modasa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121709308

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **02/05/1998**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	: **19:00:00 घंटे**
इष्ट	: 32:22:40 घटी
स्थान	: **Modasa**
राज्य	: Gujarat
देश	: India

अक्षांश	: 23:28:00 उत्तर
रेखांश	: 73:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:36:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 18:23:20 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:59 घंटे
साम्पातिक काल	: 09:04:23 घंटे
सूर्योदय	: 06:02:56 घंटे
सूर्यास्त	: 19:04:50 घंटे
दिनमान	: 13:01:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 18:07:00 मेष
लग्न के अंश	: 17:51:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	: **पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शूल
करण	: वणिज
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मेष
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: हे-हेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:51:31	319:01:13	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			मेष	18:07:00	00:58:13	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	08:08:03	12:47:11	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल		अ	मेष	20:35:36	00:43:51	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध			मीन	21:39:04	00:51:46	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	नीच राशि
गुरु			कुंभ	26:00:17	00:11:27	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			मीन	04:46:29	01:07:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि		अ	मेष	01:54:41	00:07:24	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		सिंह	14:28:51	00:01:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	14:28:51	00:01:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:49:07	00:00:45	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:19:50	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:32:05	00:01:26	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	19:47:46	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:54

लग्न-चलित

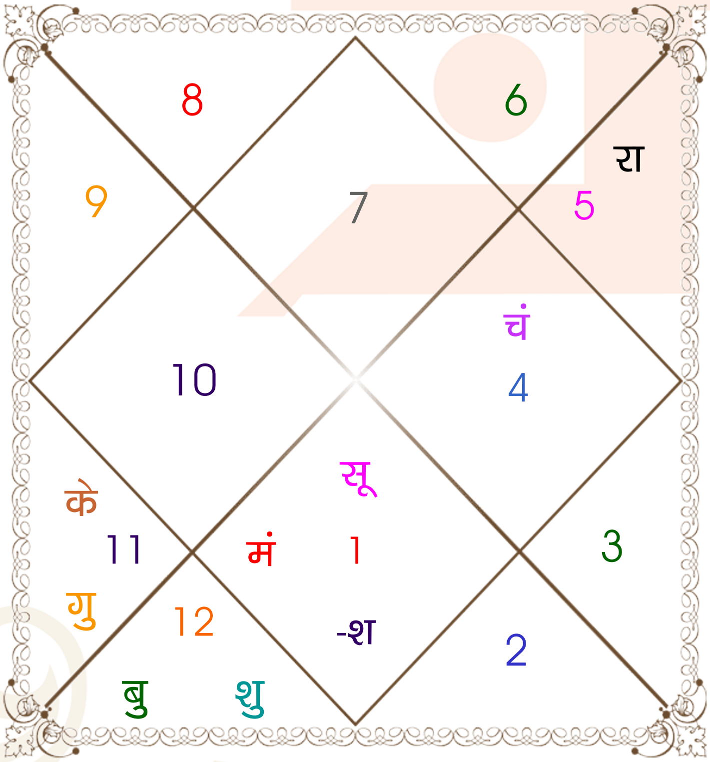

चन्द्र कुंडली

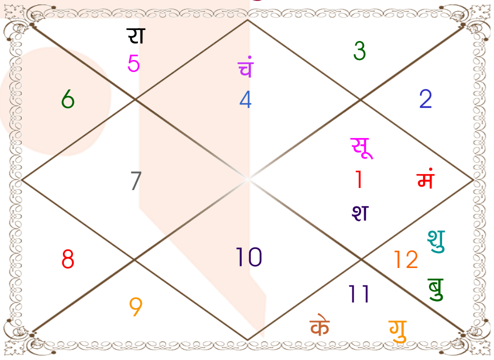

नवमांश कुंडली

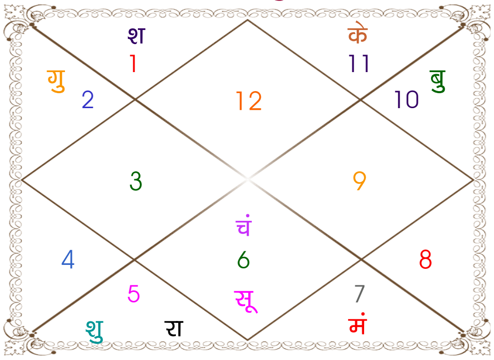

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 1 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/05/1998		29/06/2010		29/06/2027		29/06/2034		29/06/2054	
29/06/2010		29/06/2027		29/06/2034		29/06/2054		29/06/2060	
	00/00/0000	बुध	25/11/2012	केतु	26/11/2027	शुक्र	29/10/2037	सूर्य	17/10/2054
	00/00/0000	केतु	22/11/2013	शुक्र	25/01/2029	सूर्य	29/10/2038	चंद्र	17/04/2055
	02/05/1998	शुक्र	22/09/2016	सूर्य	02/06/2029	चंद्र	29/06/2040	मंगल	23/08/2055
शुक्र	20/06/2001	सूर्य	29/07/2017	चंद्र	01/01/2030	मंगल	29/08/2041	राहु	17/07/2056
सूर्य	02/06/2002	चंद्र	29/12/2018	मंगल	30/05/2030	राहु	29/08/2044	गुरु	05/05/2057
चंद्र	01/01/2004	मंगल	26/12/2019	राहु	17/06/2031	गुरु	30/04/2047	शनि	17/04/2058
मंगल	09/02/2005	राहु	14/07/2022	गुरु	23/05/2032	शनि	29/06/2050	बुध	22/02/2059
राहु	17/12/2007	गुरु	19/10/2024	शनि	02/07/2033	बुध	29/04/2053	केतु	29/06/2059
गुरु	29/06/2010	शनि	29/06/2027	बुध	29/06/2034	केतु	29/06/2054	शुक्र	29/06/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/06/2060		29/06/2070		29/06/2077		29/06/2095		30/06/2111	
29/06/2070		29/06/2077		29/06/2095		30/06/2111		00/00/0000	
चंद्र	29/04/2061	मंगल	25/11/2070	राहु	11/03/2080	गुरु	17/08/2097	शनि	03/07/2114
मंगल	28/11/2061	राहु	14/12/2071	गुरु	05/08/2082	शनि	28/02/2100	बुध	12/03/2117
राहु	30/05/2063	गुरु	19/11/2072	शनि	11/06/2085	बुध	06/06/2102	केतु	21/04/2118
गुरु	28/09/2064	शनि	29/12/2073	बुध	29/12/2087	केतु	13/05/2103	शुक्र	03/05/2118
शनि	29/04/2066	बुध	26/12/2074	केतु	16/01/2089	शुक्र	11/01/2106		00/00/0000
बुध	29/09/2067	केतु	24/05/2075	शुक्र	16/01/2092	सूर्य	30/10/2106		00/00/0000
केतु	29/04/2068	शुक्र	23/07/2076	सूर्य	10/12/2092	चंद्र	29/02/2108		00/00/0000
शुक्र	29/12/2069	सूर्य	28/11/2076	चंद्र	11/06/2094	मंगल	04/02/2109		00/00/0000
सूर्य	29/06/2070	चंद्र	29/06/2077	मंगल	29/06/2095	राहु	30/06/2111		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।